कक्षा छठी प्रश्न कुंजी आवधिक परीक्षा 1 (□□-1)

पाठ्यपुस्तक : वसंत भाग –1 (पाठ 1,2,3,4)

बालरामकथा पाठ : 1 से 3

व्याकरण गुलमोहर : भाषा और व्याकरण, वर्ण विचार,प्रत्यय/उपसर्ग,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,शब्द विचार

रचनात्मक लेखन - सार लेखन, अपठित गद्यांश

पाठ 1 वह चिड़िया जो

निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए ।

1. कविता में किस चिड़िया की बात की गई है ?

क) काली चिड़िया की

ख) नीली चिड़िया की

ग) छोटी संतोषी चिड़िया की

घ) भूरी चिड़िया की

2. चिड़िया का स्वभाव कैसा है ?

क) आलसी

ख) घुमक्कड़

ग) संतोषी

घ) फुर्तीला

3. चिड़िया अपनी चोंच से किस प्रकार के दानों को खाती है ?

क) गेहूँ , जौ व बाजरे की बालियों के दूध भरे , अधपके कच्चे दाने ।

ख) दलिओं की फलिओं के दाने

ग) अनार के दाने

घ) इनमें से कोई नहीं

4. कवि ने चिड़िया को संतोषी क्यों कहा है ?

क) क्योंकि वह किसी से भेदभाव नहीं रखती ।

ख) क्योंकि वह जो मिल जाए उसी में संतोष कर लेती है ।

ग) क्योंकि वह केवल अनाज के दाने खाकर ही संतुष्ट रहती है ।

घ) क्योंकि वह केवल एक वृक्ष पर चहचहा कर ही संतोष प्राप्त कर लेती है ।

5. कविता में 'जुंडी' शब्द का अर्थ क्या है ?

क) अनार के दाने

ख) गेहूँ , जौ व बाजरे की बालियों के दाने

ग) दालों के दाने

घ) मटर के दाने

6. चिड़िया का गाना कैसा है ?

क) सुरीला , रसीला व आनंददायक

ख) कर्कश

ग) मार्मिक

घ) दिल बहलाने वाला

7. चिड़िया किसकी खातिर गाती है ?

क) अपने साथियों के खातिर

ख) चिड़े की खातिर

ग) जंगल की खातिर जिसे वह अपना बाबा मानती है

घ) अपनी ख़ुशी की खातिर

8. चिड़िया कैसी है ?

क) काली , छोटी और प्यारी

ख) भूरी , छोटी और मुहँबोली

ग) नीले पंखों वाली , छोटी और मुहँबोली

घ) छोटी , सुरीला गाने वाली व संतोषी

9. चिड़िया को किससे प्यार है ?

क) जंगल बाबा से

ख) अपनी साथी चिडियों से

ग) जिस वृक्ष पर रहती है उससे

घ) सुंदर खिले फूलों से

10. 'मुझे विजन से प्यार है ' इस पंक्ति का आशय क्या है ?

क) चिड़िया को सुनसान स्थानों से लगाव है ,इसलिए वह जंगल बाबा से प्यार करती है ।

ख) वह सारे संसार से प्रेम करती है ।

ग) उसे आकाश की ऊँचाई से प्रेम है ।

घ) अनाज के खेतों से बहुत प्रेम करती है ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वह चिड़िया जो कविता के कवि कौन है ?

2. चिड़िया कहा से जल का मोती ले जाती है ?

3. जुंडी के दाने किससे भरे हुए है ?

4. दूध – भरे जुंडी के दाने कौन रूचि से खा लेती है ?

5. 'जल का मोती 'से क्या आशय है ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. चिड़िया स्वाभिमानी है , कैसे ?

2. इस कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते है ?

3. चिड़िया अपना जीवन कैसे जीती है ?

4. नीले पंखों वाली चिड़िया की कौन - सी विशेषता से आप अधिक प्रभावित हुए और क्यों ? (मूल्यपरक प्रश्न)

5. अगर आपको नीले पंखों वाली छोटी चिड़िया से मिलने का अवसर मिले तो आप उससे क्या बातें करेंगे ? (मूल्यपरक प्रश्न)

पाठ 2 – बचपन

निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए ।

1. हफ्ते में लेखिका को एक बार क्या खरीदने की छूट थी ?

क) चिप्स

ख) चॉकलेट

ग) आइसक्रीम

घ) कोक

2. शिमला मॉल से कौन - सी वस्तु लाई जाती थी ?

क) ब्राउन ब्रेड

ख) रोटी

ग) पास्ता

घ) डोसा

3. 'वेंगर्स और डेविको' रेस्तरों की कौन – सी चीज़ मज़ेदार थी ?

क) गोल - गप्पे

ख) पैटीज़

ग) बर्गर

घ) समोसा

4. अपने बचपन में लेखिका किन चीजों को मज़े लेकर खाती थी ?

क) चने जोर गरम को

ख) अनार दाने को

ग) चॉकलेट को

घ) इन सभी को

5. शनिवार के दिन लेखिका को क्या पीना पड़ता था ?

क) दूध

ख) शरबत

ग) कोक

घ) ऑलिव ऑयल

6. चश्मा लगाने पर लेखिका को सब क्या कहकर चिढ़ाते थे ?

क) बंदर

ख) लंगूर

ग) बैटरी

घ) चश्मिश

7. लेखिका ने बचपन में कहाँ मज़े किए ?

क) मॉल

ख) स्कूल

ग) पार्क

घ) शिमला रिज

8. नए जूते पहनने के बाद छालों का उपचार लेखिका कैसे करती थीं ?

क) कपड़ा लगाकर

ख) पट्टी लगाकर

ग) रुई लगाकर

घ) इनमें से कोई नहीं

9. रविवार की सुबह लेखिका क्या काम करती थी **?**

क) कपड़े धोने का

ख) अलमारी धोने का

ग) घर धोने का

घ) स्टॉकिंग को धोने का

10. लेखिका अब क्या पहनती हैं **?**

क) जीन्स

ख) फ्रॉक

ग) चूड़ीदार और घेरदार कुर्ते

घ) स्कर्ट

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. पहले संगीत सुनने का क्या साधन था ?

2. बचपन पाठ किसकी रचना है ?

3. गिलासों को देखते ही लेखिका को क्या होता ?

4. 'शिमला कालका ट्रेन' का मॉडल कहाँ बना था ?

5. लेखिका के समय कौन – से पेय पदार्थ प्रमुख थे ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1 लेखिका यह क्यों कहती है कि मैं तुम्हारी दादी भी हो सकती हूँ और नानी भी ?

2. अपने बचपन से संबंधित किसी घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ? (मूल्यपरक प्रश्न)

3. उम्र बढ़ने के साथ –साथ लेखिका में क्या बदलाव हुए हैं ?

4. चने की पुडिया के बारे में लेखिका का क्या अनुभव रहा ?

5. 'पर्वतीय स्थल' का जीवन कैसा होता है ? अनुभव अथवा कल्पना के आधार पर लिखिए । (मूल्यपरक प्रश्न)

पाठ 3 नादान दोस्त

निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए ।

1. बच्चों के मन में क्या जिज्ञासा थी ?

क) अंडों को देखने की

ख) चिड़िया को उड़ाने की

ग) चिड़िया के लिए सभी प्रबंध करने की

घ) चिड़िया के अंडों से बच्चे बनने की प्रक्रिया देखने की

2. श्यामा क्या लाई ?

क) अपनी धोती का एक टुकड़ा

ख) रोटी का एक टुकड़ा

ग) जौ के दाने

घ) पानी का कटोरी

3. श्यामा ने भाई से क्या आग्रह किया ?

क) घुमने जाने का

ख) अंडे दिखाने का

ग) माँ को शिकायत न करने का

घ) इनमें से कोई नहीं

4. केशव ने कपड़े का क्या किया ?

क) कपड़े को ज़मीन पर बिछा दिया ।

ख) कपड़े की गद्दी बनाकर उस पर चिड़िया के अंडों को रख दिया ।

ग) सारी ज़मीन पोंछ डाली ।

घ) कपड़े से धीरे – धीरे अंडों को पोंछने लगा ।

5. कार्निस के सामने कौन पहुँच जाता ?

क) बच्चे

ख) माँ

ग) पिताजी

घ) ये सभी

6. कार्निस पर कितने अंडे थे ?

क) एक

ख) दो

ग) तीन

घ) चार

7. केशव अंडों की ------ करना चाहता था ?

क) देखभाल

ख) याद

ग) सुरक्षा

घ) इनमें से कोई नहीं

8. अचानक श्यामा की आँख कितने बजे खुली ?

क) चार बजे

ख) तीन बजे

ग) साड़े तीन बजे

घ) साड़े चार बजे

9. केशव कई दिनों तक कौन – सी बात भूल न पाया ?

क) श्यामा से लड़ाई की

ख) अपनी गलती के कारण चिड़िया के अंडे टूटने की

ग) माँ की डाँट की

घ) इनमें से कोई नहीं

10. 'नादान दोस्त' पाठ के लेखक कौन है ?

क) कृष्णा सोबती

ख) प्रेमचंद

ग) सुभद्राकुमारी चौहान

घ) केदारनाथ अग्रवाल

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बच्चों ने दाना कहाँ पर रखा ?

2. टोकरी का सूराख किसने बंद किया ?

3. माँ के सोने पर बच्चों ने क्या किया ?

4. केशव ने रोनी सूरत क्यों बना ली ?

5. बच्चों को किस बात की चिंता थी ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. केशव और श्यामा ने चिड़िया के बच्चे की देखभाल के लिए क्या किया ?

2. केशव और श्यामा के मध्य चिड़िया के बच्चे के बारे में क्या सवाल – जवाब हुए थे ?

3. क्या श्यामा और केशव द्वारा किए कार्य सही थे , स्पष्ट कीजिए । (मूल्यपरक प्रश्न)

4.पाठ के आधार पर बताओ कि अंडे क्यों गंदे हुए ? (मूल्यपरक प्रश्न)

5. 'नादान दोस्त' पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

पाठ-4 "चाँद से थोड़ी सी गप्पें"

निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के सही विकल्प चुनिये-

प्र.1) चाँद किस दिन दिखाई नहीं देता ?

क) पूर्णिमा के दिन
ख) एकादशी के दिन
ग) अमावस्या के दिन
घ) अष्टमी के दिन

प्र.2) चाँद किस दिन पूरा दिखाई देता है ?

क) पूर्णिमा के दिन

ख) चतुर्दशी के दिन

ग) अमावस्या के दिन

घ) प्रतिपदा के दिन

प्र.3) 'गोकि' शब्द का क्या अर्थ है **?**

क) चले जाना

ख) हालाँकि

ग) चंद्रमा

घ) बिल्कुल

प्र.4) 'चाँद से थोड़ी सी गप्पें' कविता के कवि कौन हैं ?

क) शमसेर बहादुर सिंह

ख) केदारनाथ अग्रवाल

ग) सुमित्रानंदन पंत

घ) विनय महाजन

प्र.5) चाँद के वस्त्रों में क्या जड़ा हुआ है ?

क) हीरे

ख) मोती

ग) बूँदें

घ) तारे

प्र.6) बालिका ने चाँद को क्या बीमारी बताई है ?

क) क्रोध करने की

ख) घटने-बढ़ने की

ग) लाल-पीला होने की

घ) भूलने की

प्र.7) चाँद ने अपनी पोशाक को कहाँ फहरा रखा है ?

क) चारों दिशाओं में

ख) आकाश की ओर

ग) उत्तर की ओर

घ) दक्षिण की ओर

प्र.8) चाँद कब तक बढ़ता रहता है ?

क) जब तक वह गोल न हो जाए

ख) जब तक वह दिखना बंद न हो जाए

ग) जब तक आकाश साफ न हो जाए

घ) जब तक सूर्य न निकल जाए

लघूत्तरीय प्रश्न

क.) प्रस्तुत कविता में कवि किसके माध्यम से अपने मन के भाव व्यक्त कर रहा है **?**

ख) लड़की को चाँद कैसे नजर आते हैं **?**

ग) चाँद की पोशाक कैसी है **?**

घ) चाँद कैसा दिखाई देता है **?**

ङ) लड़की किससे सवाल पूछना चाहती थी **?**

दीर्घ उतरीय प्रश्न

क) चाँद का कौनसा मरज़ अच्छा नहीं है **?**

ख) चाँद के दम न लेने से हमें कौनसी शिक्षा मिलती है **?**

ग) चाँद गोल कब नजर आता है **?**

घ) चाँद की पोशाक पर क्या पड़ता है **?**

ङ) कवि ने चाँद से गप्पें किस दिन लगाई होंगी **?** इस कविता में आयी बातों की मदद से अनुमान लगाओ और उसका कारण भी बताओ **।**

बालरामकथा

पाठ -:1-3

निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए ▯

प्र.1) राजा दशरथ की कितनी रानियाँ थीं ?

क) तीन ख) चार ग) दो घ) सात

प्र.2) मुनि वशिष्ठ ने दशरथ को कौनसा यज्ञ करने की सलाह दी ?

क) अग्नि यज्ञ ख) पुत्रेष्टि यज्ञ ग) अश्वमेघ यज्ञ घ) महायज्ञ

प्र.3) दशरथ के पुत्रों के नाम क्या थे ?

क) राम,लक्ष्मण शत्रुघ्न, भरत ख) श्याम,सुरेश,बलराम,अर्जुन ग)लव,कुश,दुर्योधन,भीष्म

प्र.4) अयोध्या नगरी कहाँ थी ?

क) मिथिला ख) मथुरा ग) अवध घ) वृन्दावन

प्र.5) विश्वामित्र के आश्रम का क्या नाम था ?

क) पर्णकुटी ख) वशिष्ठ आश्रम ग) अशोक वाटिका घ) सिद्धाश्रम

प्र.6) विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को कौन-सी विद्याएँ सिखायीं ?

क) बला-अतिबला ख) गदा विद्या ग) शस्त्र विद्या घ) धनुर विद्या

प्र.7) जंगल में किससे खतरा था ?

क) रावण से ख) ताड़का राक्षसी से ग) महिषासुर से घ) कुंभकरण से

प्र.8) महाराज जनक की पुत्री का क्या नाम था ?

क) सीता ख) रानी ग) मांडवी घ) गीता

प्र.9) मांडवी किसकी पुत्री थी ?

क) राजा जनक ख) कुशध्वज ग) मकरध्वज घ) विशाखदत्त

प्र.10) राजा दशरथ के पुत्रों का विवाह किससे हुआ ?

क) रानियों से ख) राजकुमारियों से ग) दासियों से घ) विवाह नहीं हुआ

प्र.11) राजा दशरथ की क्या इच्छा थी ?

क) भरत का राज्याभिषेक ख) राम का राज्याभिषेक ग) साम्राज्य विस्तार

प्र.12) ताड़का राक्षसी के पुत्रों के क्या नाम थे ?

क) सुबाहु और मारीच ख) भीम और घटोत्कच ग) भरत और राम

प्र.**13)** मंथरा कौन थी ?

क) रानी थी ख) जादूगरनी थी ग) तांत्रिक थी घ) रानी कैकेयी की दासी

प्र.14) कैकेयी किसका राज्याभिषेक चाहती थी ?

क) राम ख) लक्ष्मण ग) भरत घ) शत्रुघ्न

प्र.15) रानी कैकेयी ने राजा दशरथ से कितने वरदान माँगे ?

क) आठ ख) तीन ग) चार घ) दो

प्र.16) कैकेयी का वरदान माँगना गलत था या सही ?

क) सही ख) गलत

किसने किससे कहा

क) "राम के प्रति मेरा अगाध स्नेह है l वह मुझे माँ के समान मानते हैं l तुझे इसमें षड्यंत्र दिखाई देता है?"

ख) "समझो रानी ! राम राजा बने तो तुम कौशल्या की दासी बन जाओगी l"

ग) "तुम मेरी सबसे प्रिय रानी हो मैं तुम्हें प्रसन्न देखना चाहता हूँ l"

घ) "राम के लिए चौदह वर्ष से कम वनवास मत माँगना l"

ङ) " कल सुबह राज्याभिषेक भरत का हो राम का नहीं "

च) "आप पुत्रेष्टि यज्ञ करें महाराज आपकी इच्छा अवश्य पूरी होगी l"

छ) अब हमारे लिए क्या आज्ञा है, मुनिवर ?”

लघु उत्तरीय प्रश्न

1) राजा दशरथ के कुलगुरु कौन थे ?
2) राजा दशरथ ने अपनी चिंता के संबंध में चर्चा किनके साथ की ?
3) यज्ञ में किसे आमंत्रित किया गया ?
4) राम और ताड़का के युद्ध का वर्णन करें ।
5) ताड़का की मृत्यु के बाद वन में क्या परिवर्तन आया ?
6) राजमहल से सिद्धाश्रम तक की यात्रा का वर्णन करें ।
7) विवाह से ठीक पहले विदेहराज ने राजा दशरथ से क्या कहा ?

व्याकरण

भाषा , बोली , लिपि और व्याकरण,
वर्ण विचार

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. भाषा कहते हैं?

(क) भावों के आदान-प्रदान के साधन को
(ख) लिखने के ढंग को
(ग) भाषण देने की कला को
(घ) इन सभी को

2. लिपि कहते हैं-

(क) भाषा के शुद्ध प्रयोग को
(ख) मौखिक भाषा को
(ग) भाषा के लिखने की विधि को
(घ) इन सभी को

3. बोलकर भाव एवं विचार व्यक्त करने वाली भाषा को __ कहते हैं**?**

क) सांकेतिक भाषा

(ख) लिखित भाषा

(ग) मौखिक भाषा

(घ) वैदिक भाषा

4. लिखित भाषा का अर्थ है -

(क) लिपि को समझना

(ख) विचारों का लिखित रूप

(ग) किसी के समक्ष लिखकर विचार देना

(घ) विचारों को बोल-बोलकर लिखना

5. हिंदी भाषा की उत्पत्ति किस भाषा से हुई**?**

(क) अंग्रेजी

(ख) फ्रेंच

(ग) उर्दू

(घ) संस्कृत

6. संविधान में कितनी भाषाओं को मान्यता प्राप्त है-

(क) बीस

(ख) इक्कीस

(ग) बाईस

(घ) पच्चीस

प्र 7). कौन-सा वर्ण कण्ठ्य नहीं है **?**

(क) ख्

(ख) ग्

(ग) घ्

(घ) श्

प्र.8) कौन-सा वर्ण 'दत्य' नहीं है **?'**

(क) न्

ख) प

(ग) धु

(घ) थ्

प्र.**9)** कौन-सा 'वर्ण' तालव्य नहीं है **?**

(क) ज्

(ख) झ्

(ग) य्

(घ) ह्

प्र.10)कौन-सा व्यंजन अंतस्थ नहीं है **?**

(क) य

(ख) फ

(ग) र

(घ) ल

प्र.11)कौन-सा ऊष्म व्यंजन है **?**

(क) च्

(ख) श

(ग) ज्

(घ) ज्

प्र.12) निम्न में से नासिक्य व्यंजन कौन-सा है **?**

(क) ष

(ख) ण

(ग) घ्

(घ) स

.

प्र.13) हिन्दी वर्णमाला में 'आयोगवाह' वर्ण कौन-से हैं**?**

(क) अ, आ

(ख) इ, ई

(ग) उ, ऊ

(घ) अं, अः

प्र.14) निम्न में बताइये कि किस शब्द में द्वित्व व्यंजन है **?**

(क) पुनः

(ख) इलाहाबाद

(ग) दिल्ली

(घ) ग्यारह

प्र.15)हिंदी में स्वर कितने होते हैं **?**

(क) ग्यारह

(ख) तेरह

(ग) पंद्रह

(घ) सात

उपसर्ग

1.उपसर्ग का प्रयोग होता है -

क.शब्द के आदि में

ख.शब्द के मध्य में

ग.शब्द के अंत में

घ.इनमे से कोई नहीं

2.जो धातु या शब्द के अंत में जोड़ा जाता है उसे कहते है-

क.समास

ख.अव्यय

ग.उपसर्ग

घ.प्रत्यय

3. 'प्रख्यात' में प्रयुक्त उपसर्ग है-

क.प्र

ख.त

ग.प्रख

घ.आत

4. 'प्रतिकार' शब्द में कौन सा उपसर्ग है-

क.प्र

ख.प्रति

ग.प्रत्यू

घ.इनमे से कोई नहीं

5.गमन शब्द को विपरीतार्थक बनाने के लिए आप किस उपसर्ग क प्रयोग करेंगे-

क.उप

ख.आ

ग.प्रति

घ.अनु

6.हिंदी में ..... उपसर्गों का प्रयोग होता है |

(क) संस्कृत, मराठी, हिंदी, अंग्रेजी

(ख) उर्दू ,अंग्रेजी ,नेपाली , संस्कृत

(ग) हिंदी उर्दू अंग्रेजी संस्कृत

(घ) इनमें से कोई नहीं

7. निम्नलिखित शब्दों के लिए उपसर्ग और मूल शब्द के सही विकल्प को चुनिए -

1) अवनति

(क) अव+नति

(ख) अवन+ति

(ग) अवन् + अति

(घ) अ+वनति

2) संयोग

(क) सं +योग

(ख) सम् +योग

(ग) सन् + योग

(घ) इनमें से कोई नहीं |

3) स्वराज्य

(क) सु+राज्य

(ख) स्व+राज्य

(ग) स्वर+राज

(घ) स्वः + राज

4) दुभाषिया

(क) दु +भाषीय

(ख) दु+ भाषिया

(ग) दुभा + षिया

(घ) इनमें से कोई नहीं |

5) विज्ञान

(क) वि +अज्ञान

(ख) वि +ज्ञान

(ग) विज्ञ + आन

(घ) विज्ञ + आन

6) उत्कर्ष

(क) उत + कर्ष

(ख) उत् +कर्ष

(ग) उतम +कर्ष

(घ) दिए गए सभी |

* प्रत्यय *

प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

1. हिंदी में प्रत्यय के कितने प्रकार है ?

(क) तीन (ख) दो (ग) सात (घ) चार

2. निम्न में से किसमें 'इत' प्रत्यय है ?

(क) पल्लवित (ख) मानसिक (ग) वैभवशाली (घ) बंधुत्व

3. चिकनाहट में कौन सा प्रत्यय है ?

(क) न (ख) आ (ग) अन (घ) आहट

4. 'वान' किस भाषा का प्रत्यय है ?

(क) हिंदी (ख) संस्कृत (ग) विदेशी (घ) इनमें से कोई नहीं

5 .'आई' प्रत्यय से कौन सा शब्द नहीं बना है ?

(क) लिखाई (ख) लड़ाई (ग) चलनी (घ)चढ़ाई

6. 'लेखक' में प्रत्यय बताइए □

(क) अन (ख) अनीय (ग) अक (घ)अक्कड़

7. 'पावक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है -

क) अक (ख) आक (ग) आई (घ)ति

8. 'भुलक्कड़' में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है ।

(क) आऊ (ख) अक (ग) आक (घ) अक्कड

9. 'टिकाऊ' में प्रत्यय बताइए -

(क) अक (ख) अक्कड़ (ग) आड़ी (घ) आऊ

10. 'तैराक' में कौन-सा प्रत्यय है -

(क) आक (ख) अक (ग) अका (घ) अक्कि

निम्न प्रत्ययों का प्रयोग करके नए शब्द बनाइए -

1. आई

2. मान

3. आहट

4. पन

5. वान

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए -

* देखने वाला -

* लिखने वाला -

* पढ़ने वाला -

* भाषण देने वाला -

* दूर की सोचने वाला -

* भाषण सुनने वाला -

* सदा रहने वाला -

* क्षण मे नष्ट होने वाला -

* अपने पर निर्भर -

* जल में रहने वाला -

* पृथ्वी पर रहने वाला -

* जानने की इच्छा -

* हृदय को छू लेने वाला -

* सौ वर्षो का समूह -

शब्द विचार

1. कौन-सा शब्द विदेशी है ?

क. मुख

ख. टिकट

ग. कान

घ. सूर्य

2. कौन-सा शब्द देशज नहीं है ?

क. पत्र

ख. घपला

ग. पगड़ी

घ. लोटा

3. कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है

क. अज्ञान

ख. आँसू

ग. दश

घ. दक्षिण

४. कौन-सा शब्द तद्भव नहीं है

क. कुम्हार

ख. कंगन

ग. मयूर

घ. पिंजरा

5. तत्सम शब्द किसे कहते हैं **?**

क. जिन शब्दों का रूप बदलता हुआ हो

ख. जो संस्कृत के शब्द हिंदी में अपने मूल रूप में प्रयोग होते हों

ग. जिन संस्कृत शब्दों का परिवर्तित रूप हिंदी में प्रयोग होता है

घ. जो स्थानीय हो

6. रूढ़ शब्द किन्हें कहते हैं **?**

क. जिन शब्दों के सार्थक खंड न हों

ख. जिनके अनेक अर्थ प्रचलित हों

ग. जिनका एक ही अर्थ हो

घ. जो संस्कृत से आए हों

7. यौगिक वे शब्द कहलाते हैं

क. जिनका योग किया जा सके

ख. जो प्राचीन काल से चले आ रहे हैं

ग. जिनके सार्थक खंड किए जा सकें

घ. जो एक ही अर्थ के लिए प्रयोग हों

8. विदेशी शब्द वे कहलाते हैं

क. जो विदेशों में बोले जाते हैं

ख. जिनका प्रचलन हमारे देश में नहीं है

ग. जिनका हिंदी से कोई संबंध नहीं

घ. विदेशी भाषाओं के वे शब्द विदेशी कहलाते हैं, जिनका प्रयोग हिंदी में होता है

9. कौन-सा भेद अर्थ की दृष्टि से नहीं है

क. एकार्थी शब्द

ख. तत्सम शब्द

ग. पर्यायवाची शब्द

घ. अनेकार्थी शब्द

10. कौन-सा भेद इतिहास के आधार पर नहीं है

क. तत्सम शब्द

ख. देशज शब्द

ग. देशज शब्द

घ. विदेशी शब्द

प्रश्नोत्तर (शब्द विचार)

1. शब्द विचार किसे कहते हैं ?

2. शब्द किसे कहते हैं उदहारण सहित स्पष्ट कीजिए?

3. शब्द के कितने भेद हैं ? नाम लिखो ▯

4. विकारी और अविकारी शब्द किसे कहते हैं ?

5. रचना या बनावट के आधार पर शब्दों को कितने भागों में बाँटा गया हैं ?

6, स्त्रोत या ऊत्पत्ति के आधार पर शब्द के भेदों के नाम लिखिए ?

7. विदेशी तथा देशज शब्द किसे कहते हैं ?

8. अर्थ के आधार पर शब्दों को कितने भागों में विभाजित किया जाता हैं ?

9. प्रयोग के आधार पर शब्दों को कितने भागों में बाँटा गया हैं ?

10. शब्द और पद में क्या अंतर हैं ?

रचनात्मक लेखन

सार लेखन

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर उन्हें सारांश रूप में लिखकर शीर्षक दीजिए -

गद्यांश 1- कहा जाता है कि मानव का आरंभिक जीवन अधिक लचीला और प्रशिक्षण के लिए विशेषकर अनुकूल होता है। यदि माता-पिता, अध्यापक और सरकार – तीनों मिलकर प्रयास करें, तो वे बालक को जैसा चाहें, वैसा वातावरण देकर उसकी जीवन-दिशा का निर्धारण कर सकते हैं। जीवन का यह समय मिट्टी के उस कच्चे घड़े के समान होता है, जिसके विकारों को मनचाहे ढंग से ठीक किया जा सकता है। लेकिन जिस तरह पके हए घडों में पाए जाने वाले दोषों में सधार करना असंभव है, उसी तरह यौवन की दहलीज़ को पार कर बीस-पच्चीस वर्ष के युवक के अंदर आमूल परिवर्तन लाना यदि असंभव नहीं, तो कठिन अवश्य है। कच्ची मिट्टी किसी भी साँचे में ढालकर किसी भी नए रूप में बदली जा सकती है,

लेकिन जब वह एक बार, एक प्रकार की बन गयी, तब उसमें परिवर्तन लाने का प्रयास बहुत ही कम सफल हो पाता है। किसी लड़के या लड़की के व्यक्तित्व के निर्माण का मुख्य उत्तरदायित्व हमारे समाज, हमारी सरकार और स्वयं माता-पिता पर है तथा बहुत कुछ स्वयं लड़के या लड़की पर भी। कोई भी व्यक्ति अपने ध्येय में तभी सफल हो सकता है, जब वह अपने जीवन के आरंभिक दिनों में भी वैसा करने का प्रयास करे । इस दृष्टि से विद्याध्ययन का समय ही मानव-जीवन के लिए विशेष महत्त्व रखता है। हम सभी का और स्वयं विद्यार्थियों का भी यही कर्तव्य है कि सभी इस तथ्य को हमेशा अपने सामने रखें ।

गद्यांश 2 - हमारे देश में अशिक्षित प्रौढ़ों की संख्या करोड़ों में है। यदि हम किसी प्रकार इनके मानस-मंदिरों में शिक्षा की ज्योति जगा सकें, तो सबसे महान धर्म और सबसे पवित्र कर्त्तव्य का पालन होगा। रेलगाड़ी और बिजली की बत्ती से भी अपरिचित लोगों का होना हमारी प्रगति पर कलंक है। प्रौढ़-शिक्षा योजना इनको प्रबुद्ध नागरिक बनाने की दिशा में क्रियाशील है। इस योजना से गाँवों में एक सीमा तक आत्मनिर्भरता आएगी। हर बात के लिए शहरों की ओर ताकने की प्रवृत्ति समाप्त होगी। निरर्थक रूढ़ियों और अंधविश्वासों में फंसे हुए और अपनी गाढ़े पसीने की कमाई को नगरों की भेंट चढ़ाने वाले ये हमारे भाई प्रौढ़ शिक्षा से निश्चित ही सचेत और विवेकी बनेंगे। स्वास्थ्य, सफाई, उन्नति, कृषि तथा आपसी सद्भावना के प्रति प्रौढ़ शिक्षा इनको जागरूक बना सकती है।

गद्यांश 3 - इससे इनकी मेहनत की कमाई डॉक्टरों की जेबों में जाने से और कचहरियों में लुटने से बचेगी। सबसे बड़ा लाभ तो प्रौढ़ शिक्षा द्वारा यह होगा कि करोड़ों लोग नए ढंग से देखने, सुनने और समझने के साथ-साथ अच्छा आचरण करने में समर्थ होंगे। हमारे करोड़ों देशवासी आज भी अशिक्षित और पिछड़े हुए हैं। सारे संसार के सामने हम इस कलंक को सिर झुकाए सह रहे हैं । भारत की उन्नति चंद नगरों को जगमग कर देने से नहीं होगी, उसकी सच्ची उन्नति का पैमाना तो यही ग्राम-समुदाय है जिसकी पढ़ने की आयु निकल चुकी, जो स्वयं पढ़ने के महत्त्व से अपरिचित हैं, जिसका तन-मन-धन नगरीय सभ्यता शताब्दियों से लूटती चली आ रही है। ऐसे अज्ञान और अशिक्षा के अंधकार में जीवन बिताने वाले करोड़ों भाइयों-बहनों के प्रति यदि हम आज सचेत और उत्तरदायी बनने की बात सोच रहे हैं, तो देश का बड़ा सौभाग्य है।

गद्यांश 4 - संगठन की महिमा संगठन में शक्ति है। जब हमारे हाथ की अंगुलियाँ आपस में मिल जाती हैं तो मुक्का बन जाता है। आप जानते हैं कि मुक्के में कितनी शक्ति होती है। अकेली अँगुली कुछ नहीं कर सकती जबकि मुक्का खासा प्रहार कर सकता है। छड़ी अकेली हो तो आसानी से टूट जाती है, पर ऐसी कुछ छड़ियाँ एकसाथ बाँध दी जाएँ, तो उन्हें आसानी से तोड़ा नहीं जा सकता। जब आप अकेले हों तो शत्रु आप पर आसानी से आक्रमण कर सकता है। पर यदि आप दो जने हों तो आपका वैरी भी आप पर वार करने से पहले दस बार सोचेगा। क्योंकि एक और एक ग्यारह होते हैं, ऐसा लोग कहते हैं। इस उक्ति का भी आशय यही होता है- जब दो आदमी किसी काम को मिलकर करते हैं तो उनमें उत्साह बढ़ जाता है। शक्ति दुगुनी ही नहीं, कई गुना बढ़ जाती है। संगठन में बल है, यह तथ्य व्यक्तियों की तरह राष्ट्रों पर भी समान रूप से लागू होता है। जो राष्ट्र शक्तिशाली होता है, उसे शत्रु देश आँख नहीं दिखा सकता। वह राष्ट्र सभी विपत्तियों पर काबू पा लेता है। इसके विपरीत, फूट असफलता का मूल कारण है। इसीलिए संगठन की महिमा का बखान किया गया है।

गद्यांश 5 - सकल पदारथ हैं जग माहीं महाकवि तुलसीदास जी ने ठीक ही कहा है- इस संसार में किसी वस्तु की कमी नहीं है। यह पृथ्वी माता वसुधा है, वसुंधरा है, रत्नों की खान है। सभी प्रकार की संपदाएँ पृथ्वी के गर्भ में समाई हुई हैं, पर इन्हें प्रत्येक व्यक्ति प्राप्त नहीं कर पाता। प्रश्न है- सभी संपदाएँ इस विश्व में हैं फिर भी नर उसे पाने में असमर्थ क्यों रहता है। महाकवि तुलसीदास जी ने इस प्रश्न को प्रश्न नहीं रहने दिया। उन्होंने इसका उत्तर भी दिया है। उनका कहना है।

सकल पदारथ हैं जग माहीं कर्महीन नर पावत नाहीं। जी हाँ, कर्महीन व्यक्ति वसुधा में उपलब्ध अपार संपत्ति को नहीं पा सकता क्योंकि-विश्व में उपलब्ध सभी सुख सुविधाओं को पाने का एक ही मार्ग है और वह है कर्मशीलता। कर्मशील व्यक्ति ही सकल पदार्थों को पाने में सफल होता है। विश्व का इतिहास ऐसे ही व्यक्तियों के उदाहरण से भरा पड़ा है जिन्होंने श्रम बिंदुओं के बल पर जीवन में वह सब प्राप्त कर दिखाया था जिसे ये प्राप्त करना चाहते थे। उन्होंने श्रम बल का महत्त्व समझा था, उसे अपने जीवन का आधार बनाया था और मानव समाज के लिए अपार संपदा प्राप्ति के द्वार खोल दिए थे।

अनुच्छेद लेखन

1.समय किसी के लिए नहीं रुकता

'समय' निरंतर बीतता रहता है, कभी किसी के लिए नहीं ठहरता। जो व्यक्ति समय के मोल को पहचानता है, वह अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है। समय बीत जाने पर किए गए कार्य का कोई फल प्राप्त नहीं होता और पश्चाताप के अतिरिक्त कुछ हाथ नहीं आता। जो विद्यार्थी सुबह समय पर उठता है, अपने दैनिक कार्य समय पर करता है तथा समय पर सोता है, वही आगे चलकर सफल व उन्नत व्यक्ति बन पाता है। जो व्यक्ति आलस में आकर समय गँवा देता है, उसका भविष्य अंधकारमय हो जाता है। संतकवि कबीरदास जी ने भी अपने दोहे में कहा है –

"काल करै सो आज कर, आज करै सो अब।

पल में परलै होइगी, बहुरि करेगा कब।।"

समय का एक-एक पल बहुत मूल्यवान है और बीता हुआ पल वापस लौटकर नहीं आता। इसलिए समय का महत्व पहचानकर प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित रूप से अध्ययन करना चाहिए और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करनी चाहिए। जो समय बीत गया उस पर वर्तमान समय में सोच कर और अधिक समय बरबाद न करके आगे अपने कार्य पर विचार कर-लेना ही बुद्धिमानी है।

2. अभ्यास का महत्त्व

यदि निरंतर अभ्यास किया जाए, तो किसी भी कठिन कार्य को किया जा सकता है। ईश्वर ने सभी मनुष्यों को बुद्धि दी है। उस बुद्धि का इस्तेमाल तथा अभ्यास करके मनुष्य कुछ भी सीख सकता है। अर्जुन तथा एकलव्य ने निरंतर अभ्यास करके धनुर्विद्या में निपुणता प्राप्त की। उसी प्रकार वरदराज ने, जो कि एक मंदबुद्धि बालक था, निरंतर अभ्यास द्वारा विद्या प्राप्त की और ग्रंथों की रचना की। उन्हीं पर एक प्रसिद्ध कहावत बनी –

"करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।

रसरि आवत जात तें, सिल पर परत निसान।।"

यानी जिस प्रकार रस्सी की रगड़ से कठोर पत्थर पर भी निशान बन जाते हैं, उसी प्रकार निरंतर अभ्यास से मूर्ख व्यक्ति भी विद्वान बन सकता है। यदि विद्यार्थी प्रत्येक विषय का निरंतर अभ्यास करें, तो उन्हें कोई भी विषय कठिन नहीं लगेगा और वे सरलता से उस विषय में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।

कहा भी गया है कि,"परिश्रम ही सफलता की कुँजी है।"

3.वन और पर्यावरण का सम्बन्ध

संकेत-बिंदु –

वन प्रदुषण-निवारण में सहायक,

वनों की उपयोगिता,

वन संरक्षण की आवश्यकता,

वन संरक्षण के उपाय।

वन और पर्यावरण का बहुत गहरा सम्बन्ध है। प्रकृति के संतुलन को बनाये रखने के लिए पृथ्वी के 33% भाग को अवश्य हरा-भरा होना चाहिए। वन जीवनदायक हैं। ये वर्षा कराने में सहायक होते हैं। धरती की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाते हैं। वनों से भूमि का कटाव रोका जा सकता है। वनों से रेगिस्तान का फैलाव रुकता है, सूखा कम पड़ता है। इससे ध्वनि प्रदुषण की भयंकर समस्या से भी काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के भण्डार हैं। वनों से हमें लकड़ी, फल, फूल, खाद्य पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्राप्त होते हैं। आज भारत में दुर्भाग्य से केवल 23 % वन बचे हैं। जैसे-जैसे उद्योगों को संख्या बढ़ रही है, शहरीकरण हो रहा है, वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और बढ़ती जा रही है। वन संरक्षण एक कठिन एवं महत्वपूर्ण काम है। इसमें हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी पड़ेगी और अपना योगदान देना होगा। अपने घर-मोहल्ले, नगर में अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण को बढाकर इसको एक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना होगा। तभी हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ रख पाएँगे।

4. कम्प्यूटर एक जादुई पिटारा

आज का युग विज्ञान का युग है। वर्तमान समय में विज्ञान ने हमें कम्प्यूटर के रूप में एक अनमोल उपहार दिया है। आज जीवन के हर क्षेत्र में कम्प्यूटर का उपयोग हो रहा है। जो काम मनुष्य द्वारा पहले बड़ी कठिनाई के साथ किया जाता था, आज वही काम कम्प्यूटर द्वारा बड़े ही आराम से किये जा रहे हैं। कंप्यूटर का उपयोग दिनो-दिन बढ़ता जा रहा है। कम्प्यूटर ने दुनिया को बहुत छोटा कर दिया है।

इंटरनेट द्वारा गूगल, याहू एवं बिंग आदि वेबसाइट पर दुनियाभर की जानकारी घर बैठे ही प्राप्त की जा सकती है। इंटरनेट पर ई-मेल के द्वारा विश्व में किसी भी जगह बैठे व्यक्ति से संपर्क किया जा सकता है। इसके लिए केवल ई-मेल अकाउंट और पासवर्ड का होना आवश्यक होता है। कम्प्यूटर मनोरंजन का भी महत्वपूर्ण साधन है। इस पर अनेक खेल भी खेले जा सकते हैं। कुल मिलकर कहें तो कम्प्यूटर ने मानव जीवन को बहुत सरल बना दिया है। कम्प्यूटर सचमुच एक जादुई पिटारा है।

5 ग्लोबल वार्मिंग (बढ़ता जागतिक तापमान)

ग्लोबल वार्मिंग शब्द पृथ्वी के तापमान में होने वाली वृद्धि को दर्शाता है। यह एक ऐसी समस्या है जिस पर अगर काबू नहीं किया गया तो यह पूरी पृथ्वी को ही नष्ट कर देगा। सीएफसी-11 और सीएफसी-12 जैसी ग्रीन हाउस गैसों ने सूरज के थर्मल विकिरण को अवशोषित करके पृथ्वी के वातावरण को गर्म बना दिया। ये गैसें सूर्य की किरणों को वायुमंडल में प्रवेश तो करने देती हैं, लेकिन उससे होने वाले विकिरण को वायुमंडल से बाहर नहीं जाने देती हैं। इसी को ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है, जो पूरे विश्व में तापमान में वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। तापमान में वृद्धि से वर्षा चक्र, पारिस्थितिक संतुलन, मौसम का चक्र आदि प्रभावित होते हैं। यह वनस्पति और कृषि को भी प्रभावित करता है। जिसके कारण हमें दुनिया भर में लगातार बाढ़ और सूखे जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। तापमान में वृद्धि और ग्लेशियरों के पिघलने के कारण बर्फ़बारी जैसी घटनाओं में भी कमी आयी है। तापमान में वृद्धि से आद्रता में भी वृद्धि हुई है क्योंकि तापमान में वृद्धि से वाष्पीकरण की दर में वृद्धि हुई है। स्थानीय सरकारों को चाहिए की वह लोगों के बीच जागरूकता पैदा करे तथा ऐसे उपकरणों और वाहनों की बिक्री को प्रोत्साहित करे जो पर्यावरण के अनुकूल हो। पेपर, प्लास्टिक और अन्य सामग्रियों की रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करना चाहिए। ऐसे प्रयासों को लोगों द्वारा जमीनी स्तर पर करना अत्यंत आवश्यक है, तभी हम एक प्रभावी तरीके से इस भयानक समस्या का मुकाबला कर सकते हैं।